अंतरिक्ष - यात्रा

गौरीशंकर वैश्य विनम्र

आओ! हम योजना बनाएँ।
अंतरिक्ष - यात्रा पर जाएँ।

चंदा मामा के घर ठहरें
धमाचौकड़ी वहीं मचाएँ।

नए - नए रहस्य जानेंगे
मस्ती से छुट्टियाँ बिताएँ।

सौरऊर्जायान क्षितिज पर
बड़े मजे से खूब उड़ाएँ।

शून्य गुरुत्वाकर्षण में हम
नए - नए करतब दिखलाएँ।

मिट्टी, पानी, खनिज धातुएँ
कई शीशियों में भर लाएँ।

वहीं से देखेंगे धरती को
हरियाली पर बलि - बलि जाएँ।

मंगल ग्रह अगला पड़ाव है
अपनी बस्ती नई बसाएँ।

गगनयान इसरो भेजेगा
यात्रियों में नाम लिखाएँ।

गौरीशंकर वैश्य विनम्र
११७ आदिलनगर, विकासनगर,
लखनऊ २२६०२२
दूरभाष ०९९५६०८७५८५.